1996 Israel Award

1997 Israel Award

डॉ. मिश्रा जग प्रसिद्ध एक जमीन (मृदा) वैज्ञानिक तथा कृषी सलाहकार है । ईजीप्त, घाना, मलेशीया, बांग्लादेश, इजरायेल जैसे विदेशो में कृषि सलाहकार तथा महाराष्ट्र में बहुत से चीनी मिलो के कृषि सलाहकार के रुप में तथा इन्डो-इजरायेल एग्रोटेक लिमिटेड, राजदीप केमिकल्स एन्ड फर्टीलाइझर्स लिमिटेड, डॉ. मिश्रा फर्टीलाईझर्स एन्ड केमिकल्स, प्रोपाइटर, डॉ. मिश्रा आर्गेनिक फार्मींग सर्टीफिकेशन एजन्सी प्रा. लिमिटेड, (वडोदरा) में शोध विकास विभाग प्रमुख के रुप में कार्यरत है । डॉ. मिश्रा का दूरदर्शन केन्द्र - दिल्ली, लखनऊ, अहमदाबाद, मुंबई से कृषि सलाहकार के रुप में १८०० बार कार्यक्रम प्रसारित हो चुका है । डॉ. मिश्रा को इजरायेल सरकार द्वारा वर्ष १९९६ तथा वर्ष १९९७ में दो बार विशिष्ट अेवोर्ड मिला हुआ है । डॉ. मिश्राने गन्ना की खेती में नयी खोज कि है जिसे डॉ. मिश्रा झिग-झेग पट्टा पद्धति के रुप में जाना जाता है । टमाटर की खेती में टेलीफोन पद्धति की खोज उनकी देन है ।

फसल : कपास (कॉटन)

बुबाई करने के पहले

- फर्टोनिक सेन्द्रिय खाद (सिटी कम्पोस्ट) या फर्टोनिक - फॉस्फेट रिच सेन्द्रिय खाद (प्रोम) पाउडर **150 kg + 20 kg** फर्टीवार्म तथा दो किलो फर्टोमिटोड तथा मोफका सेन्द्रिय पोटाश - **15 kg** को मिला कर खेत में भुरकाव करें ।
- मोफका दानेदार एन.पी.के. **12:32:16** या **20:20:00 - 150 kg +** ईकोफर्ट - **50 kg** तथा **20 kg** माईक्रो-फर्ट मिलाकर, प्रति एकर के मान से, खेत की जुताई के पहले या मिट्टी में मिलवा दें ।

अंकुरण के ४५ दिन बाद :

- फर्टोनिक-**200** (रुट बायो केमिकल्स - **50 ml**) + फर्टोनिक - **1000** (स्ट्रेंथ बायो-केमिकल्स - **50 ml**) + **15 ml** - फर्टीस्टीको + नीमाडोल - **50 ml** को अच्छी प्रकार से मिलाकर, प्रति सीकर पंप के मान से, पौधों पर अच्छी तरह से छिडकाव करें ।
- उपरोक्त छिडकाव के **20** दिन बाद : फर्टोनिक **200** + फर्टोनिक - **1000** + फर्टोनिक बी सी **700-50 ml** + फर्टीस्टीको + नीमाडोल - **50 ml** को अच्छी तरह से घोल बनाकर तीसरी बार पूरी फसल पर छिडकाव करें ।
- उपरोक्त स छिडकाव के **20** दिन बाद : फर्टोनिक - **200** + फर्टोनिक - **200** + फर्टोनिक - **1000** + फर्टोनिक बी सी - **700 - 50 ml** + फर्टीस्टीको को अच्छी तरहसेघोल बनाकर चौथी बार छिडकाव करें, तथा चौथी बार के बने अनुपात में फर्टोनिक बी सी - **900 - 50 ml** मिलाकर पांचवां छिडकाव करें । इसी अनुपात को फसल कटने तक, हर **20** दिन में, इसी तरीके से लगातार छिडकाव करें ।
- उपरोक्त बायो केमिकल्स स्प्रे में किसी भी प्रकार का कीट नाशक रसायन / कीट नाशक पदार्थ का कतई मिश्रण न करें । बायो केमिकल स्प्रे में **50 gms** यूरिया का घोल मिला देने से, सफ़ेद मक्खी के आक्रमण से फसल को बचाया जा सकता है । किसी भी प्रकार के कीट नाशक रसायन / कीट नाशक पदार्थ के प्रयोग से, सफ़ेद मक्खी के आक्रमण को नहीं रोका जा सकता है ।
- फर्टोनिक सेन्द्रीय खाद (सिटी कम्पोस्ट) या फर्टोनिक फॉस्फेट रिच सेनद्वीय खाद (प्रोम) पाउडर - **150 kg**, माइक्रो - फर्ट - **20 kg**, और फर्टोमिटौड - **2 kg** + ईकोफर्ट - **100 kg** + मोफका सेन्द्रिय पोटाश - **15 kg** का मिश्रण प्रति एकर के मान से दो पंक्तियों (कतारों) के बीच में मिट्टी में मिलवाना चाहिए ।

डॉ. ऐ. के. मिश्रा
(M.Sc. Agri, Ph.D. Soil Science)
प्रमुख - शोध विकास विभाग